

country. The Government's apathetic attitude to the genuine and legitimate demands of these ex-soldiers will create frustration and disenchantment among the soldiers who are in active service.

Therefore, I urge upon the Government to consider the demands of the ex-servicemen in their proper perspective and implement the same expeditiously.

(vii) NEED FOR TAKING STEPS FOR BETTER WORKING OF POSTAL AND TELEPHONE SYSTEM IN UTTAR PRADESH

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर): उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में डाक तार और टेलीफोन व्यवस्था लगभग पूरी तरह अस्त-व्यस्त होती जा रही है। यहां तक कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बहुत से टेलीफोन महीने में आधे दिन सराब हालत में पड़े रहते हैं। टेलीफोन का बिन्दु उप-भोक्ताओं में ज्यादा बसूल किये जाने की सूचना मिलती रहती है। टेलीफोन विभाग जनता की शिकायतों पर ध्यान नहीं देता। लगातार कहने रहने के बावजूद टेलीफोन की सराबी दूर नहीं की जाती। पत्रों का तो यह हाल है कि दिल्ली में भेजा पत्र लखनऊ पहुंचने में प्रायः एक सप्ताह का समय लेता है। इसी प्रकार प्रदेश में एक जिले से दूसरे जिले में भेजे गये पत्र एक सप्ताह से पहले प्रायः नहीं पहुंचते। आजकल डाक टिकटों की भी बहुत चोरी होने के समाचार सामने आए हैं। लगता है कि डाक, तार, टेलीफोन विभाग द्वारा जनता की कठिनाई को दूर करने का कोई भी ठोस प्रयास नहीं किया जा रहा है। गोरखपुर जिले के टेलीफोन अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार किये जाने की सूचना भी प्राप्त हुई है तथा मैंने संचार राज्य मंत्री को लिखना भी है। अतः इन परिस्थितियों में मैं सरकार से मांग करता हूँ कि पूरे उत्तर प्रदेश में डाक, तार, टेलीफोन व्यवस्था को ठीक करने हेतु कदम उठाया जाए।

(viii) PROVISION FOR A FIRST CLASS BOGEY FROM SAHARANPUR TO LUCKNOW, AND NEED FOR STARTING SANGAM EXPRESS FROM SAHARANPUR

श्री जगपाल सिंह (हरिद्वार): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से मेरे जन-

पद सहारनपुर के रेल यात्रियों से संबंधित विषय को और सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। इस जनपद मेलोंगों की संख्या 25 लाख है। इस जनपद से 10 विधायक एवं दो संसदसदस्य चुने जाते हैं। इनके अलावा एक राज्यसभा के सदस्य, दो उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य हैं। रूड़की जहां मना की छावनी है, हरिद्वार धार्मिक स्थल है। लेकिन सहारनपुर में इलाहाबाद व लखनऊ को जाने के लिये पर्याप्त रेलवे सीटों का आरक्षण नहीं है।

सांयकाल 5.40 पर जो पसेंजर गाड़ी चलती है, उसी में सिर्फ 8 प्रथम श्रेणी की बर्थ लगाई जाती है, जो बहुत अपर्याप्त है। कभी-कभी विधान सभा के सदस्यों को विधान सभा का सत्र भी छोड़ना पड़ता है।

अत एव रेल मंत्री से प्रार्थना है कि सहारनपुर से लखनऊ के लिये पथम श्रेणी का एक पूरा डिब्बा लगाया जाए और साथ ही संगम एक्सप्रेस को मंठ से न चलाकर सहारनपुर से चलाने का वाद करे।

(ix) NEED TO ALLOT MORE WAGONS FOR TRANSPORTING BANANAS FROM JALGAON TO DELHI.

SHRI Y. S. MAHAJAN (Jalgaon): My district of Jalgaon has specialized in the production of bananas. Every year, we require about 25,000 wagons for transporting bananas to Delhi and other places in the North. It is now six weeks since the banana season has started, but not a single wagon has been loaded by the cultivators so far. The freight which was Rs. 3200/- for a CRT wagon, was increased to Rs. 4200/-, as a result of the Budget. Further, the hon. Minister for Railways has reduced freight concession for transporting bananas from 50 per cent to 30 per cent. This has resulted in increasing the freight for a CRT wagon from Rs. 3200/- in March to Rs. 5900/- on 1st July 1982. This amounts to an increase of 85 per cent in the freight. Since the freight is too heavy, not a single wagon has been loaded so far.

The position is fraught with danger to the agriculturists and cultivation of bananas.